नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 02.12.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर **राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए **प्राचीन इतिहास विभाग** के **सहायक आचार्य डॉ0 सौरभ सिंह** ने कहा कि औद्योगिक आपदा प्रबन्धन और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलाने तथा प्रदूषण रोकने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 02 दिसम्बर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। भारत की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में हुई थी। इस त्रासदी में जान गवानों वाले लोगों के लिए आज के दिन श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाती है। एक रिर्पोट के अनुसार 05 लाख से अधिक लोगों की जहरीली गैस रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी थी। डॉ0 सिंह ने कहा कि आज के दिन आपदा प्रबन्धन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मिट्टी के प्रदूषण की रोकथाम कराने तथा यह सुनिश्चित करना कि औद्योगिक प्रक्रियाओं की लापरवाही के कारण उत्पन्न समस्याओं को कैसे रोका जाय। यह दिवस औद्योगिक जगत के लोगों के लिए सचेत होने का दिन है ताकि इस तरह के किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। लोगों की जान गवाने का प्रमुख कारण भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयत्र से **'मिथाइल आइसोसायनेट'** नामक जहरीले रसायन का रिसीव था कई लोगों ने गैस त्रासदी से सम्बन्धित बिमारियों के कारण कुछ दिनों व महीनों बाद अपनी जान गवा दी। भोपाल गैस त्रासदी को पूरे विश्व के इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना जाता है।

इस कार्यक्रम में डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री वागीश राज पाण्डेय, सुश्री श्वेता चौबे, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री नूपुर शर्मा, डॉ. रमाकान्त दूबे, श्री मृत्युंजय सिंह सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी